J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

THE TRIBUNE

21 FACULTY, SCHOLARS FELICITATED

Faridabad: Continuing its efforts to enhance research quality, and to foster research culture, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, on Monday gave away JC Bose excellence '2nd research awards' to 21 faculty members and research scholars to give recognition to their research work. The award comprises a certificate of merit, and cash prizes between Rs 50,000 and Rs 5 lakh are given for the publication of research papers in the science citation index (SCI) or science citation index expanded (SCIE) research journals listed as per the university research policy. The research awards were distributed at a function organised in the online mode by the university and cash rewards were given for 17 selected research papers authored by the faculty and research scholars of the university during 2019-20.

The Tribune Tue, 20 April 2021
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

21 faculty member, scholar felicitated with Research Awards

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Continuing its efforts to enhance research quality, and to foster research culture, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad today gave away JC Bose Excellence '2nd Research Awards' to 21 faculty members and research scholars to give recognition to their research work. The Award comprises a certificate of merit, and cash prizes between Rs. 50,000 and 5 lakh are given for publication of research papers in Science Citation Index (SCI) or Science Citation Index Expanded (SCIE) Research Journals listed as per University Research Policy. The Research Awards were distributed in a function organized in online mode by the University and cash rewards were given for 17 selected research papers authored by the faculty and research scholars of the University during the year 2019-20. Prof. Christian Gloeggler from HS Ulm University, Germany, who is also a Researcher at Mercedes Benz Stuttgart, Germany was Chief Guest and Prof. Joachim Ahrens, Head of International Affairs, PFH University Goettingen, Germany was Guest ofHonour in the Award Ceremony. The Program was presided over by Prof. Dinesh Kumar, Vice Chancellor of the University. Dr. Gagan Syal, Founder and CEO of Yes Germany, was also present on this occasion. The International Affairs Cell of the University was involved in bringing these dignitaries for the ceremony. Both the invited dignitaries from Germany applauded the University's initiative to promote the research. Prof. Gloeggler emphasized on the importance of the role of research in Universities for the sustainability and development of the nation. He also talked about Indo-German joint Research cooperation which spans over 60 years.

THE AWARD COMPRISES A CERTIFICATE OF MERIT, AND CASH PRIZES BETWEEN RS. 50,000 AND 5 LAKH ARE GIVEN FOR PUBLICATION OF RESEARCH PAPERS IN SCIENCE CITATION INDEX (SCI) OR SCIENCE CITATION INDEX EXPANDED (SCIE) RESEARCH JOURNALS LISTED AS PER UNIVERSITY RESEARCH POLICY

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

HINDUSTAN

21 शिक्षक और शोधकर्ता पुरस्कृत

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

अनुसंधान को बढ़ावा देने और शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रयासों के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए की ओर से 21 शिक्षकों व शोधार्थियों को 'अनुसंधान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

विश्वविद्यालय की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के तहत मेरिट प्रमाण पत्र और 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है। ये पुरस्कार विश्वविद्यालय की ओर से सूचीबद्ध साइंस साइटेशन इंडेक्स (एससीआई) या साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपेंडेड (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए दिया जाता है।

विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामले प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित हुए इस ऑनलाइन पुरस्कार समारोह में वर्ष 2019-20 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व शोधार्थियों को उनके प्रकाशित शोध पत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया। इस दौरान बतौर अतिथि पीएफएच विश्वविद्यालय गोएटिंगेन जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रमुख प्रो. जोआचिम अहरेंस शामिल हुए।

विश्वविद्यालय ने आठ करोड़ के शोध उपकरण खरीदे

इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने करीब 8 करोड़ रुपये के शोध उपकरणों की खरीद की है।इस दौरान डीन (अनुसंधान व विक ास) प्रो. राजेश कुमार आहूजा ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी दी। समारोह में अनुसंधान पुरस्कारों से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. अरविंद गुप्ता, प्रो. प्रदीप डिमरी, प्रो. अंजू गुप्ता, डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. सपना गंभीर, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, डॉ. मणिकांत यादव, डॉ. रश्मि चावला, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. प्रवीण गोयल, डॉ. ललित मोहन गोयल, डॉ. कौशल कुमार, संगीता ढल और शिवी गर्ग सहित शोधार्थी राजेन्द्र कुमार तायल, नीलम रानी, सचिन गुप्ता, अंशुल चोपड़ा, रिंकू शर्मा और भूपेन्द्र सिंह शामिल रहे।

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी ने 21 शोधकर्ताओं को दिए अनुसंधान पुरस्कार

NBT 20-4-21

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने सोमवार को 21 शिक्षकों व शोधार्थियों को अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया। यूनिवर्सिटी की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र व 50 हजार से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है। यूनिवर्सिटी द्वारा सूचीबद्ध साइंस साइटेशन इंडेक्स (एससीआई) व साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपेंडेड (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन पर यह पुरस्कार देने का प्रावधान है।

यूनिवर्सिटी द्वारा इस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन ऑनलाइन किया गया। इस दौरान जर्मनी से प्रोफेसर क्रिश्चियन ग्लोबग्लर मुख्य अतिथि रहे। वहीं, प्रोफेसर जोआचिम अहरेंस विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। दिनेश कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य अनुसंधान पुरस्कार राशि को सालाना एक करोड़ रुपये तक ले जाने का है। यूनिवर्सिटी ने शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान संवर्धन बोर्ड का गठन किया गया है। इसके अलावा, प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार व उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ अकादमिक-औद्योगिक संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। नई शोध प्रयोगशालाएं विकसित व पुरानी अपग्रेड की गई है।

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

PUNJAB KESARI

21 शोधकर्त्ताओं को अनुसंधान पुरस्कार से किया सम्मानित

P.K. 20.4.2021

- अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्धः कुलपति प्रो. दिनेश कुमार
- समारोह में आमंत्रित जर्मन शिक्षाविदों ने संयुक्त अनुसंधान सहयोग की जताई इच्छा

आनलाइन अनुसंधान पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छायाः एस शर्मा)

फरीदाबाद, 19 अप्रैल (ब्यूरो): अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जारी प्रयासों के अंतर्गत जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज 21 शिक्षकों तथा शोधार्थियों को 'अनुसंधान पुरस्कार' से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है जो विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध साइंस साइटेशन इंडेक्स (एससीआई) या साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपेंडेड (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए प्रदान किया जाता है।

विश्वविद्यालय द्वारा आनलाइन आयोजित पुरस्कार समारोह में वर्ष 2019-20 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व शोधार्थियों को उनके द्वारा प्रकाशित 17 शोध पत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समारोह में एचएस उल्म विश्वविद्यालय, जर्मनी से प्रो. क्रिश्चियन ग्लोबग्लर, जो मर्सिडीज बेंज स्टटगार्ट, जर्मनी में शोधकर्ता भी हैं, मुख्य अतिथि तथा पीएफएच विश्वविद्यालय गोएटिंगेन, जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रमुख प्रो. जोआचिम अहरेंस विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर यैस जर्मनी के संस्थापक और सीईओ डॉ. गगन सियाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामले प्रकोष्ठ के सहयोग से किया गया।

जर्मनी से आमंत्रित दोनों शिक्षाविदों ने शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। प्रो. ग्लोबग्लर ने राष्ट्र की स्थिरता और विकास में अनुसंधान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इंडो-जर्मन संयुक्त अनुसंधान सहयोग के बारे में भी बात की, जो 60 वर्षों से अधिक समय तक चला। अहरेंस ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए शोध के महत्व पर बल दिया और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त अनुसंधान सहयोग को लेकर इच्छा जताई।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान को बढावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया तथा कहा कि उनका लक्ष्य अनुसंधान पुरस्कार राशि को सालाना एक करोड़ रुपये तक ले जाने का है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान संवर्धन बोर्ड का गठन किया गया है। इसके अलावा, प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ अकादमिक-औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी बल दिया जा रहा है। नई शोध प्रयोगशालाएं विकसित तथा पुरानी अपग्रेड की गई है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपये के शोध उपकरणों की खरीद की गई है। उन्होंने आशा जताई कि अनुसंधान पुरस्कारों के शुरू होने से विश्वविद्यालय में शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा। इस अवसर पर डीन (अनुसंधान व विकास) प्रो. राजेश कुमार आहूजा ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2017 से पूर्णकालीन पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कर दिया गया है। समारोह के दौरान जिन शिक्षकों को अनुसंधान पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. अरविंद गुप्ता, प्रो. प्रदीप डिमरी, प्रो. अंजू गुप्ता, डॉ. मनीषा गर्ग, डॉ. सपना गंभीर, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, डॉ. मणिकांत यादव, डॉ. रश्मि चावला, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. प्रवीण गोयल, डॉ. ललित मोहन गोयल, डॉ. कौशल कुमार, संगीता ढल और शिवी गर्ग शामिल हैं। जिन शोधार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये उनमें राजेन्द्र कुमार तायल, नीलम रानी, सचिन गुप्ता, अंशुल चोपड़ा, रिंकू शर्मा और भूपेन्द्र सिंह शामिल हैं। अनुसंधान पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किये जाते है, जिसमें 50,000 रुपये की राशि का प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार, एक लाख रुपये की राशि का प्रीमियर अनुसंधान पुरस्कार तथा पांच लाख रुपये की राशि का उत्कृष्ट अनंसधान पुरस्कार शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

DAINIK BHASKAR

D·B·20-4-21

जेसी बोस विविद्यालय ने 21 शोधकर्ताओं को अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया

फरीदाबाद| अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए ने सोमवार को 21 शिक्षकों तथा शोधार्थियों को 'अनुसंधान पुरस्कार' से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार रुपए से लेकर पांच लाख रुपए तक का नकद पुरस्कार दिया गया। विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन आयोजित पुरस्कार समारोह में वर्ष 2019-20 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व शोधार्थियों को उनके द्वारा प्रकाशित 17 शोधपत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य अनुसंधान पुरस्कार राशि को सालाना एक करोड़ रुपए तक ले जाने का है।

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

HADOTI ADHIKAR

'अनुसंधान पुरस्कार' से किया सम्मानित

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 19 अप्रैल। अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जारी प्रयासों के अंतर्गत जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने आज 21 शिक्षकों तथा शोधार्थियों को 'अनुसंधान पुरस्कार' से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है जो विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध साइंस साइटेशन इंडेक्स (एससीआई) या साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपेंडेड (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए प्रदान किया जाता है।

NEWS CLIPPING: 20.04.2021

SATYAJAY TIMES

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध : प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 19, अप्रैल, सत्यजय टाईम्स/प्रियंका। अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जारी प्रयासों के अंतर्गत जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज 21 शिक्षकों तथा शोधार्थियों को अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया। विश्वविद्यालय की अनुसंधान नीति में पुरस्कार के अंतर्गत मैरिट प्रमाण पत्र तथा 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार का प्रावधान है जो विश्वविद्यालय द्वारा सूचीबद्ध साइंस साइटेशन इंडेक्स (एससीआई) या साइंस साइटेशन इंडेक्स एक्सपेंडेड (एससीआईई) शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों के प्रकाशन के लिए प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा आनलाइन आयोजित पुरस्कार समारोह में वर्ष 2019-20 के लिए प्रशंसनीय अनुसंधान पुरस्कार के तहत शिक्षकों व शोधार्थियों को उनके द्वारा प्रकाशित 17 शोध पत्रों के लिए पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समारोह में एचएस उल्म विश्वविद्यालय, जर्मनी से प्रो. क्रिश्चियन ग्लोबग्लर, जो मर्सिडीज बेंज स्टटगार्ट, जर्मनी में शोधकर्ता भी हैं, मुख्य अतिथि तथा पीएफएच विश्वविद्यालय गोएर्टिंगेन, जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रमुख प्रो. जोआचिम अहरेंस विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर यैस जर्मनी के संस्थापक और सीईओ डॉ. गगन सियाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामले प्रकोष्ठ के सहयोग से किया गया।

जर्मनी से आमंत्रित दोनों शिक्षाविदों ने शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। प्रो. ग्लोबग्लर ने राष्ट्र की स्थिरता और विकास में अनुसंधान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इंडो-जर्मन संयुक्त अनुसंधान सहयोग के बारे में भी बात की, जो 60 वर्षों से अधिक समय तक चला। अहरेंस ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए शोध के महत्व पर बल दिया और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त अनुसंधान सहयोग को लेकर इच्छा जताई। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया तथा कहा कि उनका लक्ष्य अनुसंधान पुरस्कार राशि को सालाना एक करोड़ रुपये तक ले जाने का है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान संवर्धन बोर्ड का गठन किया गया है। इसके अलावा, प्रत्येक क्षेत्र में नवाचार तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ अकादमिक-औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी बल दिया जा रहा है। नई शोध प्रयोगशालाएं विकसित तथा पुरानी अपग्रेड की गई है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपये के शोध उपकरणों की खरीद की गई है। उन्होंने आशा जताई कि अनुसंधान पुरस्कारों के शुरू होने से विश्वविद्यालय में शोध कार्यों की गुणवत्ता में और अधिक सुधार होगा। इस अवसर पर डीन (अनुसंधान व विकास) प्रो. राजेश कुमार आहूजा ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2017 से पूर्णकालीन पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कर दिया गया है और इसके तहत प्रत्येक विभाग से एक शोधार्थी को अनुसंधान छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।